



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

(असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, बुधवार, 7 अप्रैल, 1993/17 चैत्र, 1915

हिमाचल प्रदेश सरकार

गृह विभाग

आदेश

शिमला-2, 2 अप्रैल, 1993

संख्या गृह (ए) एफ (12)-1/92-II.—हिमाचल प्रदेश सरकार, वन विभाग, ने यह सूचित किया था कि राज्य में कुछ भाग खतरनाक और आदमखोर जानवरों, जिन्होंने अतीत में कई जानें ली हैं, को विभिषीकों से संदूषित हो गए हैं ;

और उक्त विभाग ने यह भी सूचित किया था कि इस विभीषीकों को समाप्त करने के उद्देश्य से वह आयुधों का अर्जन कर रहा था । जिनका प्रयोग राज्य के विभिन्न प्रभावित क्षेत्रों में तैनात वन विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों के विभिन्न शिकारी दलों द्वारा किया जाएगा ;

और उक्त विभाग ने यह अनुरोध भी किया है कि विभाग को उक्त प्रयोजन के लिए उनके द्वारा प्रयोग किए जाने वाले आयुधों के लिए, भारतीय आयुध अधिनियम, 1959 की धारा 45 के अनुसरण में, अनुज्ञप्तियां रखने से छूट दी जाएगी ।

अतः हिमाचल प्रदेश सरकार, भारतीय आयुध अधिनियम, 1959 की धारा 45 (ख) (II) के उपबन्धों के अनुसरण में वन विभाग को, निम्नलिखित शर्तों के अधीन बिना किसी आयुध अनुज्ञप्ति के बन्दूकें रखने की छूट दत है ।

(1) वन विभाग द्वारा कय किए गए आयुध सुरक्षित अभिरक्षा में रखे जाएंगे ।

(2) विभाग गोला बारूद के लिए रजिस्टर रखेगा, जिसमें वह किसके लिए उपयोग में लाया गया, का हिसाब रखेगा ।

- (3) उपयोग में लाया गया गोला बारूद और प्रयोजन जिस के लिए इसका उपयोग किया गया।
- (4) जब कभी शिकारी दलों को आदमखोरी की विभीषिका का अन्त करने के लिए तैनात किया गया हो, तो विभाग एक आदेश जारी करेगा जिसमें उन अधिकारियों/कर्मचारियों के नाम दिए गए हों जिन्हें विभाग के आयुध और गोला बारूद दिया गया हो और इसके बारे सम्बन्धित जिला प्राधिकारियों को भी सूचित करेगा।
- (5) विभाग यह सुनिश्चित करेगा कि शस्त्र/गोला बारूद का उपयोग केवल उसी प्रयोजन के लिए किया गया है जिसके लिए यह दिए गए थे।

आदेश द्वारा,

अतर सिंह,

वित्तियुक्त एवं सचिव।

[Authoritative English text of the department order No. Home (A) F. (12) 1/92-II, dated 2nd April, 1993].

ORDER

Shimla-171002, the 2nd April, 1993

No. Home (A) F (12) 1/92-II.—Whereas the Forest Department to the Government of Himachal Pradesh had informed that some parts of the State have been infected with the menace of dangerous and man eating animals which have claimed several lives in the past;

And whereas the said department had also informed that with a view to end this menace it was acquiring weapons which would be used by various hunting parties of officers/officials of the Forest Department who would be deployed in different affected areas of the State.

And whereas, the said Department has requested that the Department may be exempted for holding licences for the arms they would be using for the purpose in pursuance of section 45 of the Indian Arms Act, 1959.

Now, the Government of Himachal Pradesh in pursuance provisions of Section 45 (b)(ii) of the Indian Arms Act, 1959, exempt Forest Department for keeping the guns without any arms licence subject to the following conditions:—

- (1) The Arms purchased by the Forest Department would be kept in the safe custody;
- (2) It would maintain a register of ammunition in which it would account for which used;
- (3) The ammunition used and the purpose for which used;
- (4) Whenever hunting parties are deployed for ending man eater menace; the Department would issue an order giving therein the names of the officers/officials to whom the Department's arms and ammunition have been given and also intimate the concerned district authorities about it.
- (5) It would ensure that the arms and ammunition are used only for the purpose for which it has been granted;

By order,

ATTAR SINGH,

Financial Commissioner-cum-Secretary.